राष्ट्र और संस्कार की अवधारणाओं ने प्राचीन भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण में कैसे योगदान दिया?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4106 **I**

Unique Paper Code : 6967000007

Name of the Paper : Ethics and Values in Ancient Indian Traditions

Name of the Course : **Value Addition Course (VAC)**

Semester : III

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. This question paper carries 4 questions in total.

   इस प्रश्नपत्र में कुल चार प्रश्न हैं।

3. Question No. **One** is Compulsory.

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

4. Attempt any **2** out of the remaining **3** questions.

शेष तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिये।

5. **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

6. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on **any two** (5 marks each)

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी करें:

(a) What is the meaning of 'Rta' in Vedic traditions?

वैदिक परंपराओं में 'ऋतु' का क्या अर्थ है?

(b) Main teachings of Jainism

जैन धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ

(c) Concept of Purushartha Chatushtaya

पुरुषार्थ चतुर्ष्टय की संकल्पना

2. Discuss the evolution of the term 'Aryavrata' and its cultural implications.

'आर्यावर्त' शब्द के विकास और इसके सांस्कृतिक प्रभावों पर चर्चा करें।

3. Discuss the relationship between kingship and society in the context of Dharma.

धर्म के संदर्भ में राजतंत्र और समाज के सम्बन्ध की चर्चा करें।

4. How did the ideas of Rashtra and Sanskar contribute to the socio-cultural milieu of ancient India?